आज का पुरुषार्थ 1 May 2023

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

सार – *"हम पूर्वज है .. विश्व के हर एक आत्मा का और साथ साथ प्रकृति का भी हमें कल्याण करना है .. और यही हमारा परम कर्तव्य है*"

स्वयं भगवान ने जिन आत्माओं की पालना की है, जिन्हें उन्होंने अपनी शक्तियाँ प्रदान की है, और वरदान देकर उन्हें वरदानी बनाया है।

उनका परम कर्तव्य है के →

वो अपने **विश्वकल्याणकारी स्वरुप** और पूर्वज स्वरुप को जागृत करे। इस स्मृति में रहे।

" **मैं विश्वकल्याणकारी हूँ** .. बाबा ने मुझे विश्वकल्याण का महान कार्य सौंपा है .. अपना साथी बनाया है .. उसने मुझमें विश्वास रखा है .. और जो कार्य उसने मुझे सौंपा है .. उसको पूर्ण करने की **शक्तियाँ** भी मुझे दी है .. वरदान दिया .. सिद्धियाँ दे दी है .. अनेक क्वालीटिज दे दी है "

" तो मुझे विश्वकल्याण का कार्य करना है। इसलिए मेरे मन में किसी के लिए भी निगेटिव भाव हो नहीं सकता। जिनका मुझे कल्याण करना है, उनसे मैं ईर्ष्या भला कैसे रख सकती हूँ? जिन्हें मुझे आगे बढ़ाना है, उनका पैर मैं पीछे कैसे खींच सकती हूँ? "

" **मुझे तो सबको आगे बढ़ाना है**। सबको दुआयें देनी है। सबको वरदान देना है। और जितनी महान आत्मायें, योग्य आत्मायें, टेलेन्टेड (talented souls) हमारे इस महान रुद्र यज्ञ में होंगी उतना ही यह कार्य तीव्रतर गति से आगे बढ़ता जायेगा "

" यह हमारा कार्य है। दूसरो को आगे बढ़ाना, उनकी योग्यताओं का सदुपयोग करना, उन्हें सम्मान देना .. यह भी हमारे द्वारा ईश्वरीय कार्य में बहुत बड़ा सहयोग है "

चाहे कोई छोटे भी है लेकिन बहुत **योग्य** है, हम उनकी योग्यताओं का सदुपयोग करे सेवाओं में। सेवा बाबा की होंगी, सेवायें हमारी होंगी। नाम बाबा का होगा, साथ में हमारा भी होगा।

तो हम सभी अपने विश्वकल्याणकारी स्वरुप को प्रैक्टिकल में ले आये ..

हम पूर्वज है .. हमें तो **सब धर्मों की आत्माओं की पालना करनी है** .. सबको वायब्रेशन्स देने है .. इस महान कार्य की जिम्मेदारी भी बाबा ने हम पूर्वजों को सौंपी है "

रियेलाइज करे →

" **हम सबके बड़े है** "

और जब हम बड़े हो जाते है, तो हमारी भावनाएं भी विशाल हो जाते है, बड़ी हो जाती है। हमारा दृष्टिकोण विशाल, हम बहुत उदारचित्त हो जाते है। छोटी-छोटी बातें क्या? बड़ी बातें भी हमें छोटी लगती है। सब अवोध नज़र आते है। सब परवश नज़र आते है। हमें तो सबको **दृष्टि** देकर, सबको **श्रेष्ठ वायब्रेशन्स** देकर, उनका कल्याण करना है। यही हमारा परम पुनीत कर्तव्य है "

तो आइये हम अपने को इस **महान कार्य** के लिए तैयार करे। छोटी-छोटी बातों में समय देना, छोटी-छोटी समस्याओं में संकल्प शक्ति को नष्ट करना .. इससे हम वह महान कार्य नहीं कर पायेंगे। जिसके लिए बाबा ने हमें चुना है।

तो चाहे लोग ग्लानि भी करे, चाहे हमें कुछ सुनना भी पड़े, comments हो हम पे, हमें **अपने महान कर्तव्य की स्मृति रखनी है।** और उसमें सदा

तत्पर रहना है। जो व्यक्ति आगे बढ़ता है, जो महान कार्य में प्रवृत्त होता है .. उसको सुनना तो पड़ता ही है।

" *सत्य के मार्ग पर चलने वालों को अनेक लोग रोकने का प्रयास तो करते है! पर सत्य के साथ, स्वयं भगवान रहता है*"

.. इस विश्वास के साथ हम अपने कर्मों को तीव्रगति से आगे बढ़ाते चले।

आज सारा दिन हम इन दो स्वमान का अभ्यास करते रहेंगे →

" ***मैं विश्वकल्याणकारी हूँ .. पूर्वज हूँ***"

और फिर हर घन्टे में एकबार सारे संसार को दृष्टि देंगे इस स्वमान में स्थित होकर। **वायब्रेशन्स देंगे ग्लोब के ऊपर खड़े होकर।** बाबा से लेंगे और संसार को देंगे।

और **आज इस महान स्थिति की दिव्य अनुभूति में रहेंगे।**

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Main: www.shivbabas.org